98854T

पाठ 11

हमारा छत्तीसगढ़

— श्री लखनलाल गुप्ता

छत्तीसगढ़ राज्य की अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान की ओजमयी गौरव गाथा रही है। भारतीय भू—भाग की यह धरती अपनी प्राकृतिक संपदा, विविध पंथों की धार्मिक सद्भावना, प्रकृति के नयनाभिराम छटाओं, सुंदर सरल भोली—भाली जीवन शैली के लिए अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। किसानों के मेहनतकश जीवन का प्रतीक 'धान का कटोरा' के रूप में प्रसिद्ध यह राज्य जिन विविधताओं से पूरित और सुशोभित हो रहा है, उसे कवि ने अपनी कविता में सरस रूप में प्रस्तुत किया है।

उच्च गिरि कानन से संयुक्त, भव्य भारत का अनुपम अंश।
जहाँ था करता शासन सुभग, वीर गर्वित गोंडों का वंश।।

नर्मदा, महानदी, शिवनाथ आदि सरिताएँ पूत ललाम।
प्रवाहित होतीं, कलकल नाद, हमारा छत्तिसगढ़ अभिराम।।

रत्नपुर करता गौरव प्रकट, सुयश गाता प्राचीन मलार।
नित्य उन्नति—अवनति का दृश्य, देखता दलहा खड़ा उदार।।

तीर्थथल राजिम परम पुनीत, और शिवरीनारायण धन्य।
कह रहे महानदी तट सतत, यहाँ की धर्म कथाएँ रम्य।।

प्रकृति का क्रीड़ास्थल कमनीय, यहाँ है वन—संपदा अपार।
भूमि में भरा हुआ है विपुल, कोयले—लोहे का भंडार।।

यहाँ का है सुंदर साहित्य, हुए हैं बड़े—बड़े विद्वान।
कीर्ति है जिनकी व्याप्त विशेष, आज भी हैं पाते सम्मान।।

कौन कहता यह पिछड़ा हुआ? अग्रसर है उन्नति की ओर ।
कटोरा यही धान का कलित, चाहते सभी कृपादृग कोर।।

नहीं यह कभी किसी से न्यून, अन्न दे करता है उपकार।
उर्वरा इसकी पावन भूमि, अन्न उपजाती विविध प्रकार।।

ईश से विनय यही करबद्ध, प्रगति पथ पर होवे गतिमान।
हमारा छत्तीसगढ़ सुख धाम, करें सादर इसका गुणगान।।

शब्दार्थः– **नाद**–आवाज, घोष, **सुयश**–सुकीर्ति, सुनाम, **अग्रसर**–आगे बढ़ना, अगुवा, **कृपादृग**–दया दृष्टि, **अनुपम**–उपमा रहित, बेजोड़, **सुभग**– सुंदर, मनोहर, **अवनति** – कमी, न्यूनता, घाटा, ह्रास, **अभिराम**–आनंददायक, मनोहर, सुखद, सुंदर, प्रिय, रम्य, **कानन** – वन, जंगल, **कलित**– सुसज्जित, शोभित।

अभ्यास

पाठ से

1. किन–किन नदियों के कलकल नाद से छत्तीसगढ़ अभिराम बनता है ?
2. कविता के सन्दर्भ में यह राज्य किस प्रकार उन्नति की ओर अग्रसर है ?
3. कवि का ईश्वर से करबद्ध विनय क्या और क्यों है ?
4. हमारा छत्तीसगढ़ किन–किन संपदाओं से परिपूर्ण है ?
5. कविता की पंक्ति 'कृपादृग कोर' के द्वारा कवि किन भावों को व्यक्त करना चाहता है ?
6. भव्य भारत का अनुपम अंश कवि ने किसे और क्यों कहा है ?
7. छत्तीसगढ़ की यह भूमि, हम पर किस प्रकार उपकार करती है?
8. महानदी का तट क्यों प्रसिद्ध है?
9. कवि ने ईश्वर से क्या प्रार्थना की है?
10. कवि ने छत्तीसगढ़ को प्रकृति का कमनीय क्रीड़ा स्थल क्यों कहा है?

पाठ से आगे

1. आप छत्तीसगढ़ के जिस भू–भाग में निवास करते हैं उसके प्राकृतिक सौन्दर्य को गद्य या पद्य में लिखिए।
2. राज्य के सभी पंथों के प्रमुख तीर्थ स्थल कौन–कौन से हैं? उनमें से आप ने और आपके साथियों ने कुछ को देखा भी होगा, उन पर अपने साथियों के साथ चर्चा कर उस स्थल की विशेषताओं को लिखिए।
3. आपके निवास क्षेत्र के प्रसिद्ध साहित्यकारों और उनकी रचनाओं पर शिक्षक और साथियों से चर्चा कर उनकी प्रसिद्ध रचनाओं पर अपनी समझ से 10 पंक्ति का आलेख तैयार कीजिए।
4. ''धान का कटोरा' के रूप में कवि छत्तीसगढ़ की महिमा का वर्णन करते हैं। राज्य की इस प्रसिद्धि को लेकर हमारी स्थानीय भाषा में बहुत सारी कविताएँ गीत आदि हैं उन्हें ढूँढ़ कर लिखिए कक्षा–कक्ष में सुनाइए।

98H16G

भाषा से

1. **पावन भूमि, भव्य भारत, सुंदर साहित्य,** जैसे पदों का प्रयोग कविता में हुआ है। यहाँ भूमि, भारत, साहित्य, विशेष्य है और पावन, भव्य, सुंदर, आदि शब्द विशेषण हैं। अर्थात वाक्य में जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए उसे विशेषण और जिसकी विशेषता बताई जाए उसे विशेष्य कहते है। पाठ से विशेषण और विशेष्य का चुनाव कर अर्थ सहित लिखिए।

98QH84

2. भोले–भाले, ओर–छोर, काम–धाम, अनाप–शनाप जैसे शब्दों के प्रयोग शब्द सहचर कहलाते हैं। इस पाठ से एवं अपने परिवेश में प्रयुक्त होनेवाले शब्द सहचरों को चुन कर वाक्य में प्रयोग कीजिए।
3. कविता में 'कमनीय' शब्द का प्रयोग हुआ है। जो 'कामिनी' शब्द में 'ईय' प्रत्यय के योग से बना है। वे शब्दांश जो शब्द के अन्त में जुड़कर शब्द के अर्थ में परिवर्तन अथवा विशेषता उत्पन्न करे, प्रत्यय कहलाते हैं। आप दिए गए शब्दों में 'ईय' प्रत्यय का प्रयोग कर लिखिए – पठन, दर्शन, भारत, गमन, श्रवण, वर्णन।
4. इस कविता में से अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण लिखिए ।
5. प्यारा, न्यारा, दुलारा, इन शब्दों की सहायता से चार पंक्तियों की कविता की रचना कीजिए। कविता की पहली पंक्ति इस प्रकार भी हो सकती है–

   हम छत्तीसगढ़ के, छत्तीसगढ़ हमारा है,

   ––––––––––––––––––––––––

   ––––––––––––––––––––––––

   ––––––––––––––––––––––––

योग्यता विस्तार

98Z59R

1. छत्तीसगढ़ राज्य एक प्रगतिशील राज्य है? इस विषय पर विद्यालय में वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर उसमें हुई चर्चा के प्रमुख बिन्दुओं को लिखिए।
2. छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख साहित्यकारों के जीवन और उनकी रचनाओं के बारे में अपने शिक्षकों तथा अभिभावकों से सूचना प्राप्त कर सूची बनाइए।
3. छत्तीसगढ़ के प्रमुख सांस्कृतिक स्थल कौन–कौन से हैं राज्य के मानचित्र में उन्हें ढूँढ़ते हुए चिह्नित कर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।
4. 'छत्तीसगढ़ के वैशिष्ट्य' विषय पर कक्षा में अपनी योग्यता विचार व्यक्त कीजिए।
5. शिवरीनारायण, रतनपुर और राजिम के संबंध में जानकारी एकत्र कर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
6. इस वर्ग पहेली में छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध नदियों, नगर, पर्वत, जल प्रपात के कुछ नाम दिए गए हैं। इन्हें खोजिए –

म	ळ	ळ	म	शि	ळ
द	हा	जि	ळ	व	चि
ल	रा	न	र्ग	ना	त्र
हा	ळ	दु	दी	थ	को
भै	र	म	ग	ढ़	ट
ळ	र	त	न	पु	र

इन्हें भी पढ़िए

छत्तीसगढ़–दर्शन

अपना प्रदेश देखो, कितना विशेष देखो,
आओ–आओ घूमो यहाँ, खुशियों से झूमो यहाँ।

'रायपुर' की क्या सानी?, अपनी है राजधानी,
ऊँचे–ऊँचे हैं मकान, यहाँ की निराली शान।।

'कोरबा' की बिजली, हम सब को मिली
'देवभोग' का है मान, हीरे की जहाँ खदान,

लोहे की ढलाई देखो, देखो जी 'भिलाई' देखो।
गूँजे जहाँ सुर–ताल, 'खैरागढ़' बेमिसाल।।

'राजीव लोचन' यहाँ, रम जाए मन जहाँ,
तीरथ में अग्रगण्य, देखो–देखो 'चम्पारण्य'।

गूँजे जहाँ सत्यनाम 'गिरौदपुरी' है धाम,
कबिरा की सुनो बानी, 'दामाखेड़ा' की जुबानी।।

महानदी धार देखो, 'सिरपुर' 'मल्हार' देखो,
'डोंगरगढ़' बमलाई देखो, 'रतनपुर महामाई' देखो।

देवी 'बेमेतरा' वाली, देखो–देखो भद्रकाली,
मंदिर एकमेव देखो, देखो 'भोरमदेव' देखो।

देखो ऊँचा 'मैनपाट', बड़े ही कठिन घाट,
तिब्बती मकान देखो, कितनी है शान देखो।

'बस्तर' के वन देखो, वहाँ भोलापन देखो,
ऊँचे–ऊँचे, झाड़ देखो, नदी और पहाड़ देखो।।

झरने हैं झर–झर, गुफा है 'कुटुंबसर',
'तीरथगढ़' प्रपात देखो, 'दंतेश्वरी' मात देखो।

अपना प्रदेश है ये, कितना विशेष है ये,
सबका दुलारा है ये, सच बड़ा प्यारा है ये।।

– दिनेश गौतम